

29/12
21

पञ्जाबकी पेशा दुर्घटना कोई आखिरत
नहीं। काशीया एवं उनके वकील का
उई बार आवाज लगावाइ गई।
कोई हाजिर जकोब नहीं। काया
केत! दिवा काशिया अइम हाजिरी
क अइम पैरवी के खारिफ बिधा
जाता है। पञ्जाबकी केसल शुगा
होकर बाकिन दफ्तर हो

उपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज०)